HCS (MAIN) EXAM 2014

हिंदी और हिंदी निबंध

निर्धारित समय : 1 घण्टा मात्र कुल अंक 100

नोट : सभी प्र नों के उत्तर दीजिए

प्र0 1. हिन्दी में अनुवाद कीजिए :- 10

The principle of lyrical poetry is subjectivity. Not the outward form of events, nut the inward soul-life of the individual poet here finds expression. The lyrics is essentially the utterance of his special and peculiar personality, his private feeling moods, joys, sorrows hopes or fears. There is therefore, no possibility of the lyric poem extending the borders of its subject-matter to depict an entire national life. It is always some particular phase of feeling or idea that is expressed. The slenderest thought, the most passing mood, is sufficient Yet although-it is the special personality of the poet that is embodied in the lyric, in the lyric, the feelings or moods upon which it is founded should for all that be universal in their substance so as to appeal generally to the human, heart as such. It is the personality of the poet, his peculiar vision of the world, his individual out-look, which fuses the parts of the poem into a unified whole.

प्र0 2. सरकारी और अर्द्धसरकारी पत्र लेखन का अन्तर स्पष्ट करते हुए सरकारी पत्र लेखन का उदाहरण दीजिए।
10

प्र0 3. निम्नलिखित अवतरण का सार एक तिहाई शब्दों में लिखिए। 10

आधुनिकता अपने आप में कोई मूल्य नही है। मनुष्यों को अनुभवों द्वारा जिन गहनीय मूल्यों को उपलब्ध किया है, उन्हे नए संदर्भों में देखने की दृष्टि आधुनिकता है। यह एक गतिशील प्रक्रिया है। संदर्भ बदल रहे हैं क्योंकि नई जानकारियों ने नए साधन और नए उपादान सुलभ किए हैं। बहुत सी पुरानी बाते भुलाई जा रही हैं। नई सामग्रियाँ और नये कौशल नवीन संदर्भों की रचना कर रहे हैं। उनमें बहु समादृत मानवीय मूल्यों का रूप बदला नजर आता है, परन्तु फिर भी उनका शाश्वत रूप बना रहता है। परम्परा से हमें इन मूल्यों का वह रूप प्राप्त होता है जो अतीत के संदर्भ में बना था। उस रूप में कुछ ऐसा सार तत्व है जो स्थाई है, कुछ ऐसा जो बदले हुए सदंर्भ में टिक नही पाता। हर रूप में ये

www.kushmanda.com

दो तत्व विधमान रहते है। जो कुछ दिखाई दे रहा है अनुभव हो रहा है, वह इन दो तत्वों के मिश्रण का परिणाम है। अस्थिर तत्व ही स्थिर या स्थायी तत्व को इन्द्रिय ग्राह्य या मनोगम्य बनाता है। आधुनिक संदर्भ में अस्थिर तत्वों में परिवर्तन होता है। स्थाई तत्व नये रूप में नयी साज सज्जा से मनोहर बनाकर उजागर होता है। परम्परा इस स्थाई तल को आगे की पीढ़ी की और अग्रसर करती रहती है। पुराने आवरण हटते रहते हैं, वे अपना काम करने से विरत होते हैं। परम्परा इस लिए हमेशा उपयोगी होती हैं। कोई भी आधुनिक विचार आसमान से नही पैदा होता है। सबकी जड़ परम्परा में गहराई तक गई हुई है। सुन्दर–से–सुन्दर यह दावा नही कर सकता है कि पेड़ से भिन्न होने के कारण उससे असम्पृक्त हैं। कोई पेड़ यह दावा नही कर सकता है कि वह मिट्टी से भिन्न होने के कारण एकदम उससे विच्छिन्न है। इसी प्रकार कोई आधुनिक विचार यह दावा नही कर सकता कि वह परम्परा से एक दम कटा हुआ है। कार्य कारण के रूप में, आधार–आधेय के रूप में, परमपरा की एक अविच्छेद्य श्रृंखला अतीत में गहराई तक – बहुत गहराई तक गई हुई है।

प्र0 4 . *सरल हिन्दी में व्याख्या कीजिए :*

(अ) अपने उत्तरदायित्व का ज्ञान बहुधा हमारे संकुचित व्यवहारों का सुधारक होता है। जब हम राह भूलकर भटकने लगते हैं, तब यही ज्ञान हमारा विश्वसनीय पथ–प्रदर्शक बन जाता है। पत्र–सम्पादक अपनी शान्ति कुटी में बै ठा हुआ दृढ़ता और स्वतन्त्रता के साथ अपनी प्रबल लेखनी से मन्त्रि–मण्डल पर आक्रमण करता है, परन्तु ऐसे अवसर भी आते हैं जब वह स्वयं मन्त्रि–मण्डल में सम्मिलित होता है। विधान सभा भवन मे पग धरते ही उसकी लेखनी कितनी मर्मज्ञ, कितनी विचारशील, कितनी न्यायपरायण हो जाती है। इसका कारण उत्तरदायित्व का ज्ञान है। नवयुवक युवावस्था में कितना उद्दण्ड रहता है ? माता–पिता उसकी ओर से कितने चिन्तित रहते हैं ? वह उसे कुलकलंक समझते हैं। परन्तु थोड़े ही समय में परिवार का बोझ सिर पर पड़ते ही वह अव्यवस्थित चित्त उन्मत्त युवक कितना धैर्य शील, कै सा शांतचित्त हो जाता है। यह भी उत्तरदायित्व के ज्ञान का फल है। (अंक 5)

(ब) *सरल हिन्दी में व्याख्या कीजिए :*

मान बड़ाई देख कर, भक्ति करै संसार।
जब देख कछु हानता, अवगुन धरै गंवार।।
कुल करनी के कारनै, हंसा गया बिगोय ।
तब कुल काको लाजि, चारि पांव का होय॥

अथवा

"ब्रह्मा से कुछ लिखा भाग्य में

www.kushmanda.com

मनुज नहीं लाया है ‘’,

अपना सुख उसने अपने

भुजबल से ही पाया है।“

प्रकृति नहीं डर कर झु कती है

कभी भाग्य के बल से ,

सदा हारती वह मनुष्य से ,

उद्यम से श्रमजल से। (अंक 5)

5निम्नलिखित भाब्दों के विपरीतार्थक विलोम भाब्द लिखिए।

1. पल्लवन	2. संकीर्ण
3. स्थावर	4. उपमान
5. विधवा	6. असीम
7. आका ा	8. पराधीन
9. समष्टि	10. ऋजु

5

6निम्नलिखित भाब्दों को भुद्ध करके लिखिए।

1. उत्तरदाई	2. निश्चय
3. यदपि	4. तदोपरान्त
5. परियाप्त	6. ए वर्य
7. प्रनाम	8. स्वास्थ
9. प्रिथा	10. अ ार्वाद

5

7निम्नलिखित कहावतों/मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

1. तन पर नही लत्ता पान खाय अलबत्ता
2. अंधों में काना राजा
3. ईद का चांद होना

www.kushmanda.com

4. अंगूठा दिखाना

5. आंखे बिछाना

5

8निम्न युग्मों में दिए हुए भाब्दों का अपने बनाए वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि दोनों का पारस्परिक अन्तर यथासम्भव स्वश्ट हो जाए।

1. तरणी – तरूणी
2. सिता –सीता
3. कुल – कूल
4. प्रथा – पृथा
5. क्षिति – क्षति 5

9.(अ) निम्नलिखित वाक्या ाों के लिए एक–एक भाब्द लिखिए :

1. जहॉ पृथ्वी ओर आका ा मिले दिखाई दे।
2. दोपहर के बाद का समय
3. विदे ा से सम्बन्धित
4. जो मोक्ष पाना चाहता हो
5. जिसमे ममता न हो

2½

(ब) निम्नलिखित भाब्दों का सन्धिविच्छेद कीजिए

1. पवित्र 2. महर्शि
3. सदैव 4. नाविक
5. सूर्योदय 2½

10 निम्नलिखित म से किसी एक विषय पर हिंदी म निबन्ध लिखिए

समान नागरिक संहिता :संभावना का तलाश

पंचायतीराज समस्याए एवम उपाय

जलवायु परिवतन एवम कृषि

विश्व का वतमान विभीषिका और गाँधी का प्रासंगिकता

www.kushmanda.com

बढ़ता भ्रष्टाचार :सांस्कृतिक मूल्यों का संकट

(अंक 30)

www.kushmanda.com

www.kushmanda.com